MAHD-02

June - Examination 2016

M.A. (Previous) Hindi Examination

आधुनिक काव्य

Paper - MAHD-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड 'अ', 'ब' और 'स' में विभाजित है। खण्ड 'अ' अति लघुत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघु उत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबन्धात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(i) भगवान राम के प्रति मैथिलीशरण गुप्त का अनन्य भक्ति भाव प्रकट करने वाला प्रबन्ध काव्य कौनसा है?

(ii) प्रसाद के 'लहर' काव्य–संकलन की विषयवस्तु लिखिए।

(iii) महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व को संक्षेप में रेखांकित कीजिए।

(iv) सुमित्रान्दन पंत की कोई दो काव्य कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

(v) 'है रुपहली रात, है सपने सुनहले' – यह रचना बच्चन जी के किस काव्य संकलन से ली गयी है?

(vi) नरेंद्र शर्मा द्वारा लिखित 'युग बदला' शीर्षक कविता किस कालखण्ड की है?

(vii) ''राम–राज में, अबकी रावण नंगा होकर नाचा है।
सूरत शक्ल वही है भैया, बदला केवल ढाँचा है।''
उक्त काव्य पंक्तियाँ किस कवि द्वारा लिखी गई है?

(viii) 'हरि घाँस पर क्षण भर' और 'द्वारहीन द्वारा काव्य संकलन के रचयिता कवि का नाम लिखिए।

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों मे से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''कहता है कौन कि भाग्य ठगा है मेरा?
वह सुना हुआ भय दूर भगा है मेरा।
कुछ करने में अब हाथ लगा है मेरा,
वन में ही तो गृहस्थ्य जगा है मेरा।
वर वधु जानकी बनी आज यह जाया,
मेरी कुटिया में राज–भवन मन भाया।

3) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''कौन आया था न जाने। स्वप्न में मुझको जगाने,
याद में उन अँगुलियों के। है मुझे पर युग बिताने।
रात में डर के दिवस की चाह का शर हूँ।
शून्य मेरा जन्म था। अवसान है मुझको सवेरा,
प्राण आकुल के लिए। संगी मिला केवल अँधेरा,
मिलन का मत नाम लो। मैं विरह में चिर हूँ।''

4) पैदा हुआ है बेचारा –
भूमिहीन बंधुआ मजदूरों के घर में
जीवन गुजारेगा हैवान की तरह
भटकेगा जहाँ–तहाँ बनमानुस जैसा
अधपेटा रहेगा, अधनंगा डोलेगा
तोतला होगा कि साफ–साफ बोलेगा
बहादुर होगा कि बेमौत मरेगा।
फिक्र की तलैया में खाने लगे गोते
वयस्क बुजुर्ग दोनों,
एक ही बिरादरी के हरिजन
सोचने लगे बार–बार।

5) निराला की कविता 'संध्यासुंदरी' में मानवीकरण किस प्रकार हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

6) 'रामदास' कविता में विद्यमान मूल्यहीनता को उजागर कीजिए।

7) नरेन्द्र शर्मा के काव्य में विद्यमान प्रकृति सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

8) कुरुक्षेत्र के छठे सर्ग का प्रतिपाद्य बताते हुए उसकी संवेदना के विविध पक्षों पर प्रकाश डालिए।

9) बच्चन के काव्य में बिम्ब विधान का उल्लेख कीजिए।

(खण्ड – स) **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों मे से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) जयशंकर प्रसाद के काव्य में अनुभूति और अभिव्यक्ति पक्ष का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

11) 'सुमित्रानन्दन पंत कोमल कल्पना के कवि और प्रकृति के चितेरे है।' इस कथन का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।

12) नागार्जुन की कविता में व्यंग और विद्रोह स्वर की अभिव्यक्ति को स्पष्ट कीजिए।

13) महादेवी वर्मा के काव्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।